रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार प्रदान करने सतत क्रियाशील है मप्र शासन–उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान द्वारा 'विश्व युवा कौशल दिवस' पर तीन दिवसीय ऑनलाईन संगोष्ठी का शुभारंभ

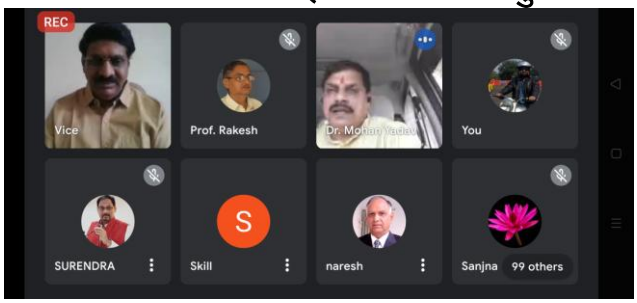

जबलपुर 15 जुलाई। देश की युवा आबादी को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के लिए स्किल इंडिया मिशन की शुरुआत की गई थी। स्किल इंडिया मिशन का उद्देश्य देशभर में कौशल विकास योजनाओं को एकीकृत कर उनकी निगरानी करना है। मप्र शासन का भी कौशल विकास के क्षेत्र में युवाओं को उद्योग से संबंधित कौशल प्रशिक्षण देने में सतत प्रयास जारी है ताकि वह खुद का रोजगार शुरू कर सकें। मध्यप्रदेश के सभी जिलों में रोजगार मेले के आयोजन इसी दिशा में एक कदम है जिसके जरिए नौकरी दिलाने में युवाओं की सहायता की जा रही है। उपरोक्त विचार माननीय डॉ. मोहन यादव, उच्च शिक्षा मंत्री, मप्र शासन ने गुरुवार को 'विश्व युवा कौशल दिवस' के मौके पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित ऑनलाईन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान, रादुविवि द्वारा 'विश्व युवा कौशल दिवस' पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाईन संगोष्ठी का शुभारंभ माननीय उच्च शिक्षा मंत्री मप्र शासन डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में हुआ। वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में केंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री अशोक रोहाणी ने सारस्वत अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच को परिलक्षित करते हुए पिछले 6 साल से देश के लाखों युवाओं में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तकनीकी कौशल का विकास करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। मप्र मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में युवाओं को रोजगारपरक बनाने के साथ उद्यमिता को बढ़ावा देने में अहमं भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है।

युवा ही देश की रीढ़–

वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि युवाओं के पास असीम शक्ति है। युवाओं की इसी शक्ति को शिक्षा के माध्यम से जागृत करने के लिए विश्वविद्यालय सत्त प्रयासशील है। भविष्य की चुनौतियों को सामने रखकर रोजगार कौशल के रूप में युवाओं को प्रशिक्षित व आत्मनिर्भर बनाने की राह में निरंतर प्रयास किये जा रहे

हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. एन.सी. गौतम, कुलपति, चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने सभी को विश्व युवा कौशल विकास दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कौशल विकास आज के युवाओं की जरूरत–

कार्यक्रम में विवि कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने कहा कि नई पीढ़ी के युवाओं का कौशल विकास एक राष्ट्रीय जरूरत है। आत्मनिर्भर भारत का बहुत बड़ा आधार है। संकायाध्यक्ष प्रो. राकेश बाजपेयी ने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के साथ ही उन्हें इस काबिल बनाना कि वह खुद भी दूसरों के लिए रोजगार उत्पन्न कर सकें इसी विजन को लेकर हमें आगे बढना है।

तकनीकी सत्र का आयोजन

वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में आयोजन समन्वयक एवं कौशल विकास संस्थान निदेशक प्रो. सुरेन्द्र सिंह बताया कि युवाओ में नवाचार, इन्नोवेटिव आइडियाज, स्टार्टअप, स्वरोजगार, स्वरोजगार के अवसरों एवं इन्क्यूबेशन ऑफ एम्प्लॉयबल स्किल्स से 'आत्मनिर्भर' बनाने के उद्देश्य से 15 से 17 जुलाई 2021 तक तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में जबलपुर उद्योग केन्द्र के प्रमुख श्री देवव्रत मिश्र ने कहा कि सरकार कौशल विकास के तहत दिए जाने वाले प्रशिक्षण को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार लाना चाहती है, ताकि युवाओं को हर साल वर्क फोर्स में शामिल किया जा सके। संचालन कौशल विकास विभाग की डॉ. मीनल दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विभाग के इंजी. महावीर त्रिपाठी, ऑनलाईन होस्ट अमरकांत चौधरी सहित विवि के सभी प्राध्यापक, कॉलेजों के प्रतिनिधि एवं विद्यार्थी वर्चुअल माध्यम से मौजूद रहे।

वि.वि. के प्रबंधन संस्थान के शोध छात्र सुनील कुमार को मिला भारत सरकार द्वारा पेटेंट

जबलपुर 15 जुलाई। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय प्रबंधन संस्थान के शोध छात्र श्री सुनील कुमार जो विश्वविद्यालय प्रबंधन संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता डॉक्टर आशीष शर्मा जी के अंतर्गत शोधरत हैं। शोध छात्र के द्वारा एक ऐसा टूल विकसित किया है जिसके माध्यम से वर्क फ्रॉम होम किए गए कार्यों का मूल्यांकन किया जा सकता है। वर्तमान कोविड–19 महामारी के दौरान लगभग सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों में यह व्यवस्था है कि सभी कर्मचारी अपने कार्य को घर से ही ऑनलाइन संपादित कर रहे हैं। इस स्थिति में कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्य का मूल्यांकन करना क्योंकि उनकी उपस्थिति अधिक होती है कठिन होता है। जिसके कारण उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप दिए जाने वाले प्रतिफल तथा प्रोन्नति सभी पर विचार करना कठिन हो जाता है, ऐसी स्थिति में सुनील कुमार द्वारा विकसित किया गया टूल प्रत्येक नियोक्ता को एक ऐसा सशक्त माध्यम उपलब्ध कराता है, जिससे न केवल कर्मचारी द्वारा किए गए कार्य का मूल्यांकन किया जा सकता है बल्कि उसके द्वारा किए गए कार्य में सुधार करने की व्यवस्था भी प्रदर्शित करता है।

श्री सुनील कुमार द्वारा यह टूल विकसित करने के बाद इसका पेटेंट भी भारत सरकार द्वारा प्राप्त किया गया है। इस अवसर पर समस्त विभागीय शिक्षकों विद्यार्थियों और सभी सहयोगियों द्वारा सुनील कुमार और डॉक्टर आशीष शर्मा जी को बधाइयां प्रेषित की हैं। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर कपिल देव मिश्र एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने इस अवसर पर श्री सुनील कुमार एवं डॉ आशीष शर्मा जी को बधाइयां प्रेषित करते हुए भविष्य में इसी प्रकार कार्य करते रहने के लिए शुभकामनाएं और साधुवाद भी दिया। विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों और

कर्मचारियों में इस पेटेंट को लेकर उत्साह का वातावरण है। यह पेटेंट वर्तमान महामारी के अतिरिक्त भी भविष्य में कर्मचारियों के कार्यों के मूल्यांकन और उसमें सुधार के लिए हमेशा प्रयोग किया जा सकेगा। इस कार्य में विश्वविद्यालय प्रबंधन संस्थान के निदेशक महोदय प्रोफेसर शैलेश चौबे जी की बड़ी भूमिका रही है तथा डॉ वीके उपाध्याय डॉ वीके उपाध्याय व डॉ रजनी शर्मा का भी सहयोग रहा है। प्रोफेसर शैलेश चौबे ने बताया कि वर्तमान कोविड–19 की महामारी के दौरान किए जाने वाले कार्य की पद्धति में कर्मचारियों का कार्य, जो महामारी में घर से किया जाने वाला कार्य कहा जा सकता है। इसमें ऑफिस के सारे कार्य साथी शिक्षण एवं शोध के कार्य भी ऑनलाइन किए जा रहे हैं शामिल हैं। इस महामारी के दौरान न केवल कार्य करने में कठिनाइयां हैं और तो और किए गए कार्य का मूल्यांकन करना उससे भी अधिक कठिन कार्य है। इसे दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन संस्थान के शोध छात्र सुनील कुमार ने एक ऐसा टूल विकसित किया है जिसके माध्यम से वर्क फ्रॉम होम किए गए कार्यों का मूल्यांकन किया जा सकता है।